

निम्न पत्रक बाँयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी.पी.पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे कैसे करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंग्लिश में उपलब्ध है।

इस पत्रक में दि गई जानकारी बाँयोरे के अधिकारियों के ज्ञान व बाँयोरे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है। इसमें कुछ विधियाँ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई हैं उन्हें सम्मिलित किया है तथा कुछ विधियों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बाँयोडायनामिक पद्धति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।



bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फरवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स
जुलियाना ज्वाइफैल्
राजीव वर्मा



सलाह पत्रक



जैविक कीट नियंत्रण के लिए स्वयं निर्मित दवाईयों को बनाना और उनका उपयोग करना।

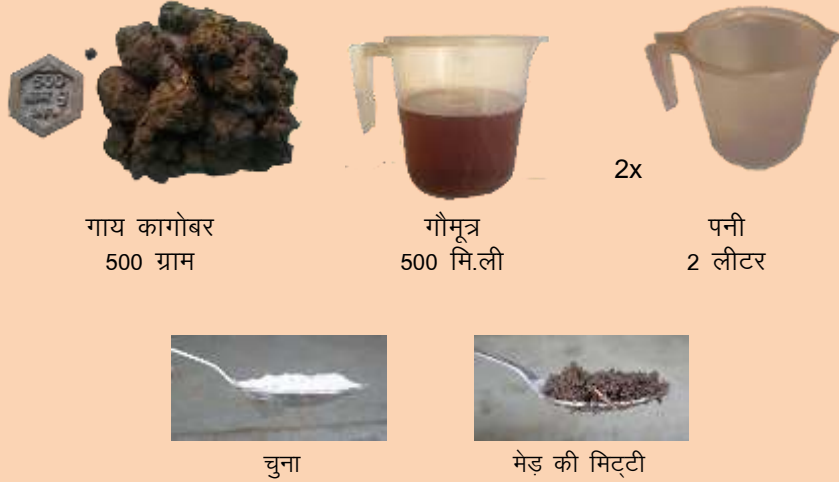


उपयोग:

यह अच्छे अंकुरण के लिये हानिकारक फफूंद व बैक्टेरिया के खिलाफ कार्य करता है।

सामग्री

यह मात्रा 10 किलो बीज को उपचारित करने के लिये पर्याप्त है।



साधन

- * कैन या बाल्टी व कपड़ा
- * तगारी
- * प्लास्टिक की पल्ली

असर प्रणाली

बीजामृत अंकुरण के समय हानिकारक फफूंद व बैक्टेरिया से रक्षा करता है और पौधों को पौषक तत्व शी प्रदान करता है जिसके कारण अंकुरण प्रतिशत बढ़ जाता है।

बीजामृत से आप हर प्रकार के बीजों को उपचारित कर सकते है।

मात्रा: उपयोग:-आधा ग्लास मिश्रण -150 मि.ली से 500 ग्राम बीजों को उपचारित करें व 1 लिटर से 3 किलो बीजों को उपचारित करें।

रखने की अवधि: बीजामृत ताजा बनायें व अधिक से अधिक 1 सप्ताह के अंदर उपयोग कर लें।

सीमाएं: उपयोग के समय हमेशा ताजा बीजामृत ही बनायें।

सक्रिय तत्व: इसमे कैल्सीयम, नत्रजन, फॉस्फोरस और सशी सूक्ष्म तत्व उपलब्ध हैं।

बनाने कि विधि



चरण 1: सभी पदार्थों को कैन में डालकर अच्छे से मिलाये ताकी ठोस पदार्थ अच्छे से घुलजाय।



चरण 2: कैन के मुह को ढक दे व 24 घण्टे के लिए रख दें और इसे दो बार हिलाएँ।



चरण 3: बीजों को तगारी में डालें और उनपर बीजामृत डालकर अच्छे से मिलाएँ।



चरण 4: उपचारित बीजों को प्लास्टिक की पल्ली पर फैलाकर छाया में थोडी देर सुखने दें, बाद में बीजों को नमी वाली जमीन पर बुवाई करे।